RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

ARJUN BATCH

CLASS 10th | GEOGRAPHY

जल संसाधन

WATER RESOURCES

अध्याय-3 | भाग-2

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. बहु-उद्देशीय नदी परियोजनाएँ
2. समन्वित जल संसाधन प्रबंधन
3. भारत मानचित्र (नदियाँ व बाँध)

बहु-उद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना

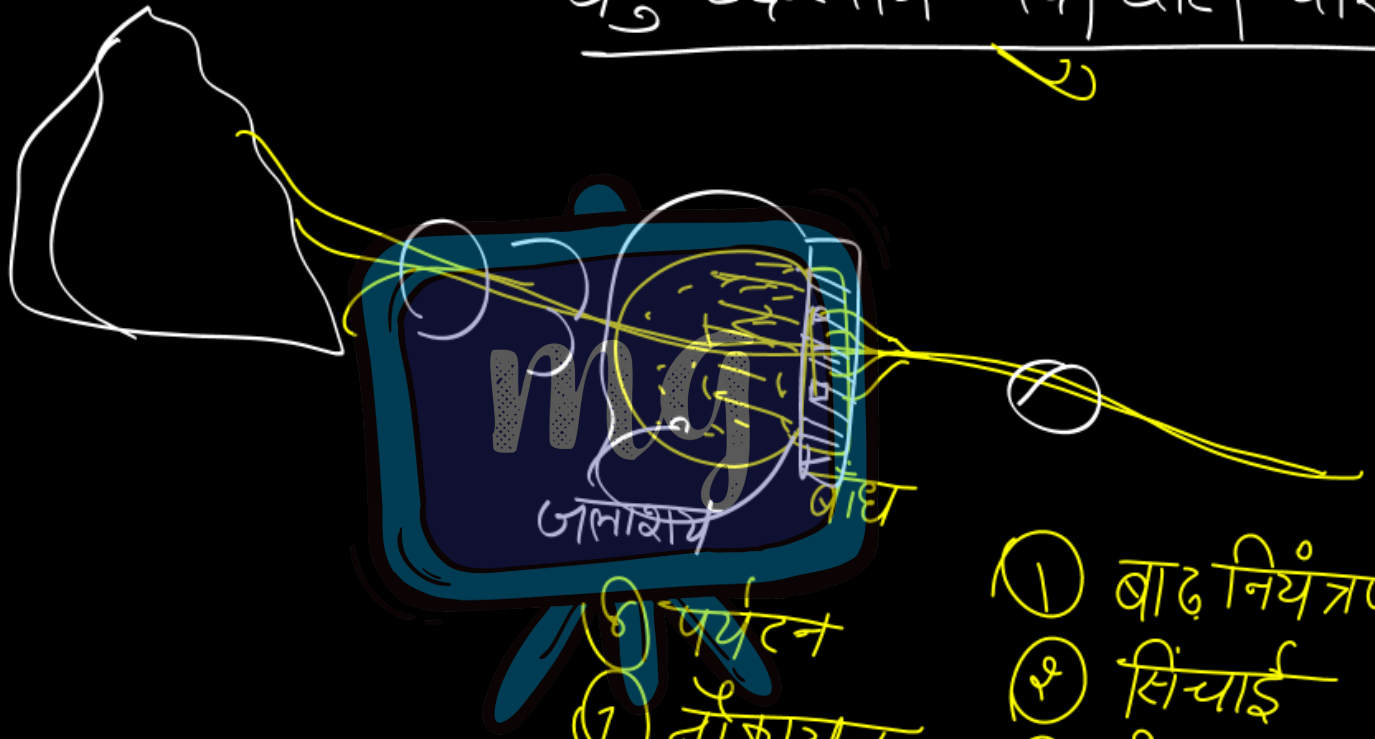

1. बाढ़ नियंत्रण
2. सिंचाई
3. पेयजल
4. जल विद्युत निर्माण

5. पर्यटन
6. नौकायन
7. मत्स्यन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बहु उद्देशीय नदी परियोजनाएं

- हमने प्राचीन काल से सिंचाई के लिए पत्थरों और मलबे से बाँध, जलाशय अथवा झीलों के तटबंध और नहरों जैसी उत्कृष्ट जलीय कृतियाँ बनाई हैं।
- हमने यह परिपाटी आधुनिक भारत में भी जारी रखी है और अधिकतर नदियों के बेसिनों में बाँध बनाए हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बाँध —

- परम्परागत बाँध, नदियों और वर्षा जल को इकट्ठा करके बाद में उसे खेतों की सिंचाई के लिए उपलब्ध करवाते थे।
- आज कल बाँध सिर्फ सिंचाई के लिए नहीं बनाए जाते अपितु उनका उद्देश्य विद्युत उत्पादन, घरेलू और औद्योगिक उपयोग, जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण, मनोरंजन, आंतरिक नौचालन और मछली पालन भी है।

- इसलिए बाँधों को बहुउद्देशीय परियोजनाएँ भी कहा जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

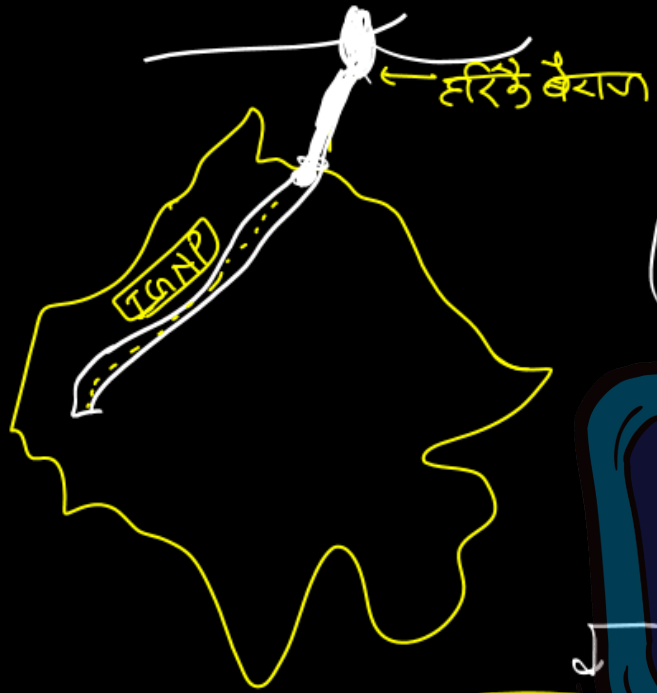

पण्डित नेहरू → बाँध

↓

आधुनिक भारत के मन्दिर

उपयोग

- ग्रामीण व कृषि अर्थव्यवस्था
- औद्योगिक अर्थव्यवस्था
- नगरीय अर्थव्यवस्था

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जवाहरलाल नेहरू गर्व से बाँधों को 'आधुनिक भारत के मंदिर' कहा करते थे।
- उनका मानना था कि इन परियोजनाओं के चलते कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था, औद्योगीकरण और नगरीय अर्थव्यवस्था समन्वित रूप से विकास करेगी।

माही नदी → माही बजाज सागर (राज०)

महानदी → हीराकुण्ड

सिंधु नदी तंत्र

टिहरी

बीज बचाओ आन्दोलन

नवदान्य

बीसलपुर बांध

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भाखड़ा नांगल परियोजना —

- सतलुज-ब्यास बेसिन में जल विद्युत उत्पादन और सिंचाई दोनों के काम में आती है।

हीराकुड परियोजना —

- महानदी बेसिन

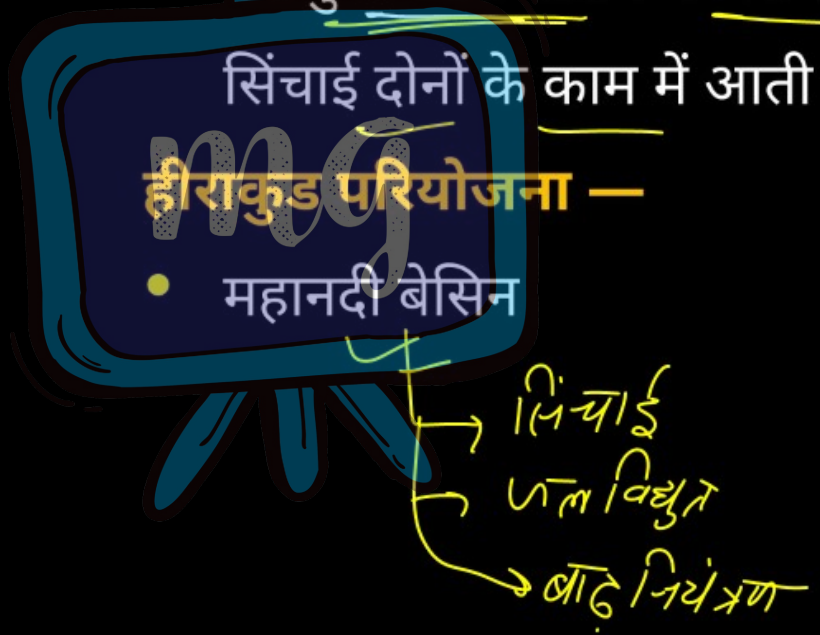

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

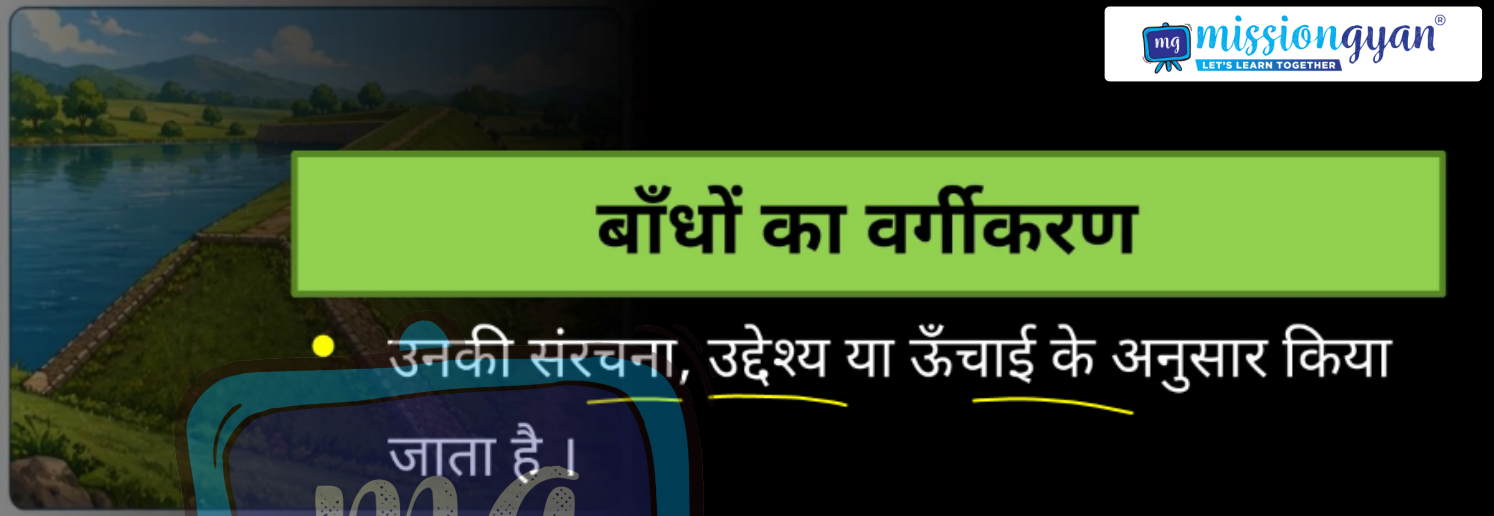

बाँधों का वर्गीकरण

- उनकी संरचना, उद्देश्य या ऊँचाई के अनुसार किया जाता है ।
- संरचना और उनमें प्रयुक्त पदार्थों के आधार पर बाँधों को लकड़ी के बाँध, तटबंध बाँध या पक्का बाँध आदि में बाँटा जा सकता है।
- ऊँचाई के अनुसार बाँधों को बड़े बाँध और मुख्य बाँध या नीचे बाँध, मध्यम बाँध और उच्च बाँधों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समस्या

- नदियों पर बाँध बनाने और उनका बहाव नियंत्रित करने से उनका प्राकृतिक बहाव अवरुद्ध होता है
- बाँध नदियों को टुकड़ों में बाँट देते हैं जिससे विशेषकर अंडे देने की ऋतु में जलीय जीवों का नदियों में स्थानांतरण अवरुद्ध हो जाता है।
- बाढ़ के मैदान में बनाए जाने वाले जलाशयों द्वारा वहाँ मौजूद वनस्पति और मिट्टियाँ जल में डूब जाती हैं जो कालांतर में अपघटित हो जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- बहुउद्देशीय परियोजनाएँ और बड़े बाँध नए पर्यावरणीय आंदोलनों जैसे – 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' और 'टिहरी बाँध आंदोलन' के कारण भी बन गए हैं। इन परियोजनाओं का विरोध मुख्य रूप से स्थानीय समुदायों के वृहद स्तर पर विस्थापन के कारण है।
- आमतौर पर स्थानीय लोगों को उनकी जमीन, आजीविका और संसाधनों से लगाव एवं नियंत्रण देश की बेहतरी के लिए कुर्बान करना पड़ता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सिंचाई ने कई क्षेत्रों में फसल प्रारूप परिवर्तित कर दिया है जहाँ किसान जल-गहन और वाणिज्य फसलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।
- इससे मृदाओं के लवणीकरण जैसे गंभीर पारिस्थितिकीय परिणाम हो सकते हैं।
- बहुद्देशीय परियोजनाओं के लागत और लाभ के बँटवारे को लेकर अंतर्राज्यीय झगड़े आम होते जा रहे हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यह भी माना जाता है कि बहुउद्देशीय योजनाओं के कारण भूकंप आने की संभावना भी बढ़ जाती है।
- अत्यधिक जल के उपयोग से जल-जनित बीमारियाँ, फसलों में कीटाणु-जनित बीमारियाँ और प्रदूषण फैलते हैं।